Expansion of Central Jail, Delhi

1654. SHRI JERLIE E. TARIANG: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the capacity of Central Jail, Tihar Delhi;

(b) what is the number of persons at present lodged in that jail;

(c) whether Government have any proposal to expand the jail, if so, what are the details thereof; and

(d) whether Government propose to further tighten the security measures in Central Jail, Tihar Delhi; if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI): (a) 1273.

(b) 2980 persons as on 24.2.1987.

(c) The Delhi Administration has decided to set up a new jail at the farm land situated within the Central Jail Complex to accommodate about 1400 prisoners, the designs etc. for which have already been approved and the work will be undertaken as a plan scheme during the Seventh Five Year Plan period. Apart from this, the Administration has also decided to construct another jail at Mandoli, for which land has already been acquired.

(d) Yes, Sir. Following steps are being considered:—

(i) Having a better communication net work;

(ii) Setting up of a Control Room.

(iii) Installing of high mast lights; providing high tension electric fencing and a public address system.

(iv) Installing of explosive detectors and X-ray machines for screening the prisoners, visitors and jail staff.

1655. [*Transferred to the 9th March, 1987*].

विदेश स्थित भारतीय दूतावासों में प्रयुक्त होने वाली राजभाषा

1656. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विदेशों में प्रयुक्त किये जाने के लिए सरकार द्वारा घोषित राजभाषा का नाम क्या है तथा दूतावासों द्वारा प्रयुक्त की जाने वाली भाषा का नाम क्या हैं और इसके क्या कारण हैं ;

(ख) जबकि विदेशों के राजनयिक उनकी अपनी भाषा बोलते हैं, भारत के राजनयिकों द्वारा संवैधानिक रूप से अनुमोदित राजभाषा को नहीं बोलने के क्या कारण हैं विशेष रूप से उन स्थानों पर जहां राजनयिक अंग्रेजी नहीं बोलते हैं; और

(ग) क्या सरकार विदेशों में राजभाषा और संस्कृति के प्रचार के लिए कुछ प्रबंध करेगी ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुअर्डो फलेरियो) : (क) भारत सरकार के कार्यालयों, जिनमें विदेश स्थित कार्यालय भी शामिल हैं, के कामकाज की आधिकारिक भाषा हिन्दी है। तथापि, जैसा कि व्यवस्था है, अंग्रेजी भाषा का भी इस्तेमाल किया जाता है।

(ख) संचार सुविधा के लिए विदेशी राजनयिक सदा अपनी भाषा तक ही सीमित न रहकर प्रायः अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक रूप से बोली जाने वाली भाषाओं का भी प्रयोग करते हैं। भारतीय राजनयिक राजदूतावास में परस्पर तथा भारतीय समुदाय के लोगों के साथ प्रायः हिन्दी में बातचीत करते हैं, चाहे उनकी तैनाती अंग्रेजी भाषी देशों में अथवा अन्यत्र है।

(ग) विदेशों में राजभाषा और संस्कृति के प्रचार की व्यवस्था मौजूद है। सरकार विदेशों में हिन्दी का प्रचार कार्य करने वाले स्वैच्छिक संगठनों/व्यक्तियों